<u>एड्स का कारण, लक्षण और</u> उपचार संबंधी संपूर्ण जानकारी

HINDI ACTIVITY...

by group

Krishnaraj, Sriraaj, Jain, Abhay, and Sahil



AIDS ५ व्रणक्रा

AIDS आधुनिक युग का एक बहुत ही गंभीर और जानलेवा रोग है। AIDS का Full Form है Acquired Immuno Deficiency Syndrome यानि ऐसी बीमारी जो रोग-प्रतिकार शक्ति कम कर लक्षण देता है।

इस रोग में व्यक्ति अपनी प्राकृतिक रोग-प्रतिकार शक्ति खो देता है। AIDS पीड़ित व्यक्ति के शरीर में प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण अवसरवादी संक्रमण जैसे कि सर्दी, खांसी, TB इत्यादि रोग आसानी से हो जाते है और उनका इलाज करना भी काफी कठिन हो जाता है।

श्रु हुअग्रस्ह ल इड्वघ दुङ् HIV दुः खर् प्रह्म दुड़ ल्व प्रा:

- AIDS से ग्रस्त रोगी पर प्रयोग किए हुए इंजैक्शन को दूसरे व्यक्ति के शरीर में लगाने से।
- ▶ AIDS संक्रमित खून प्राप्त करने से। (Contaminated Blood Transfusion)
- दाढ़ी करते समय, टैटू लगाते समय और शरीर में कोई छेद करते समय उपयोग में लिए जाने वाले सुई, ब्लेड इत्यादि सामग्री HIV विषाणु से संक्रमित होने पर।

श्र हुआ हु HIV दुस् खर् एण्ड्स प्रमुख प्रा:

- > AIDS रोग से ग्रस्त रोगी से हाथ मिलाने से।
- ► AIDS रोग से ग्रस्त रोगी के साथ रहने से या खाना खाने से।
- > छींकने या खांसने से।
- > मच्छर के काटने से।

AIDS इङ्प्रत चल्र प्राच

> AIDS के प्रारंभिक लक्षण निचे दिए गए है :

- > अत्यधिक वजन का कम होना।
- > अधिक समय तक सुखी खांसी आना।
- > बार-बार बुखार आना।

▶बार-बार Fungal Infection होना।

>रात को पसीना आना।

>याददाश कम होना।

>शरीर में दर्द होना।

>मानसिक रोग।

AIDS इव ५ व क्ष्ट्रव्रघ्र प्राच

► AIDS के उपचार में कई तरह कि दवा का इस्तेमाल किया जाता है। AIDS के उपचार का मुख्य उद्देश HIV विषाणु को कमजोर करना, शरीर कि रोग प्रतिकार शक्ति को फिर से मजबूत करना और मौकापरस्त अन्य रोगो को ठीक करना होता है। ►समय के साथ-साथ AIDS के उपचार में कई नयी दवाओं का निर्माण किया जा रहा है, परन्तु AIDS से बचाव ही AIDS का सबसे बेहतर इलाज है।

